Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2502 [Total No. of Pages : 2

[4702] - 1011
M.A. (Part - I) (Semester - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 1 सामान्य स्तर
प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य
(अमीर खुसरो तथा जायसी)
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 50

पाठ्यपुस्तके :– 1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य
संपादक :– डॉ. भोलानाथ तिवारी
2) पद्मावत :– मलिकमुहम्मद जायसी
संपादक :– वासुदेवशरण अग्रवाल

सूचनाएँ :– *1)* सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) खड़ी बोली हिंदी के विकास में अमीर खुसरो का योगदान स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

अमीर खुसरो के काव्य में वर्णित ढकोसलों की मनोरंजकता पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) ''पद्मावत में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय है'' – स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

पदमावत के आधार पर जायसी की काव्यकला का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) अमीर खुसरो के काव्य में वर्णित समाज पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

महाकाव्य के तत्वों के आलोक में पदमावत की समीक्षा किजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

अ) अमीर खुसरो की मुकरियों में लोकरंजकता ;

ब) अमीर खुसरो की काव्यकला ;

क) नागमती वियोग वर्णन ;

ड) पदमावत में वर्णित प्रेमभाव ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

अ) मुख मेरा चूमत दिन रात ।
होंठो लगत कहत नहिं बात ।।
जासे मेरी जगत में पत ।
ऐ सखी साजन ना सखी नथ ।।

अथवा

एक थाल मोती से भरा ।
सबके सिर पर औंधा धरा ।।
चारों ओर वह थाली फिरे ।
मोती उससे एक न गिरे ।।

ब) कहा मानसर चहा सो पाई । पारस रूप इहॉ लगी आई ।।
भा निरमर तेन्ह पायन परसें । पावा रूप रूप के दरसे ।।
मलै समीर वास तन आई । भा सीतल गै तपनि बुझाई ।।
न जनौं कौनु पौन लै आवा । पुन्नि दसा भै पाप गॅवावा ।।
ततखन हार बेगि उतिराना । पावा सखिन्ह चंद विहॅसाना ।।

अथवा

फागुन पवन झकोरै बहा । चौगुन सीउ जाइ किमि सहा ।।
तन जस पियर पात भा मोरा । बिरह न रहै पवन होई झोरा ।।
तरिवर झरै झरै बन ढॉखा । भई अनपत फूल कर साखा ।।
करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू । मो कहॅ भा जग दून उदासू ।।
फाग करहिं सब चॉचरि जोरी । मोहिं जिय लाई दीन्ही जसि होरी ।।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2503 [Total No. of Pages : 2

[4702] - 1012
M.A. (Part - I) (Semester - I)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र – 2 विशेष स्तर
आधुनिक हिंदी कथा साहित्य
(उपन्यास और कहानी)
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 50

पाठ्यपुस्तकें :– 1) कलि–कथा : वाया बाइपास –अलका सरावगी
2) हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ – संपा – डॉ. सुरेश बाबर
डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) हिंदी उपन्यास विधा के विकास पर प्रकाश डालते हुए उसमें अलका सरावगी का स्थान निर्धारित कीजिए ।

अथवा

'कलि–कथा : वाया बाइपास' की कथावस्तु बताते हुए उसकी नवीनता पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) हिंदी कहानी में प्रसाद के योगदान पर प्रकाश डालते हुए 'पुरस्कार' कहानी का महत्व स्पष्ट कीजिए .

अथवा

'मुंबई कांड' में चित्रित समस्या पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) 'कलि–कथा: वाया बाइपास' के किशोर बाबू के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

कहानी विधा के तत्वों के आधार पर' हंसा जाई अकेला की समीक्षा कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 4) किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

अ) 'कलि–कथा : वाया बाइपास' में देश, काल एवं वातावरण;

ब) 'कलि–कथा : वाया बाइपास' में संवाद तत्व;

क) 'यही मेरा वतन' कहानी के शीर्षक की सार्थकता;

ड) मनहूसाबी का संघर्ष ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

अ) ''किशोर, तुम्हारी माँ जैसी माँ मुझे मिल जाए तो मैं दुनिया की बड़ी–से–बड़ी संपत्ति लुटा दूं । साक्षात माँ दुर्गा ।''

अथवा

''सोर अंग्रेजों के पिट्ठू और दलाल गांधी टोपी पहनकर कांग्रेस में घुस आए हैं । नेहरू ने वे सारे अफसर भी ज्यों–के–त्यौं रख लिए हैं, जिन्होंने अंग्रेजों के साथ मिलकर हम पर जुल्म किए थे ।''

ब) ''हाँ, मैं भगवान का चरण छूकर कह सकती हूँ, तुम जेल में जाकर देख आओ वकील बाबू । भला फूल–से बच्चे हत्या कर सकते हैं ?''

अथवा

''दादी, अब तो हम पप्पा के पास ही रहेंगे नं ? तुम इतनी पूजा करती हो, अपने भगवान से कहो कि हमारे पप्पा को छोढ़ दें ।''

⊖⊖⊖

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2504 [Total No. of Pages : 2

[4702] - 1013
M.A. (Part - I) (Semester - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 3 विशेष स्तर
भारतीय साहित्यशास्त्र
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 50

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) साधारणीकरण की अवधारणा स्पष्ट करते हुए करुण रस के आस्वाद पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

रस निष्पत्ति संबंधी भट्ट नायक और अभिनव गुप्त द्वारा दी गई व्याख्याओं का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) वक्रोक्ति सिद्धांत का परिचय देते हुए उसमें कुंतक के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

औचित्य का स्वरूप स्पष्ट कर क्षेमेन्द्र के औचित्य विचारों का महत्व विशद कीजिए ।

प्रश्न 3) ध्वनि की परिभाषा देते हुए ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

ध्वनि का स्वरूप स्पष्ट करते हुए ध्वनि और शब्द–शक्ति के सहसंबंध पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर संक्षेप मे लिखिए :

अ) काव्य में अलंकार का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

ब) अलंकार सिद्धांत का परिचय दीजिए ।

क) रीति भेदों पर प्रकाश डालिए ।

ड) रीती और गुणों की तुलना कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

अ) भरतमुनि का रस सूत्र

ब) अलंकार और रस

क) ध्वनि सिद्धांत का महत्व

ड) वक्रोक्ति की परिभाषा

⊖⊖⊖

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2505

[Total No. of Pages : 8

[4702] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : (वैकल्पिक)

(2013 Pattern) (Credit System)(Optional Paper - I)

महत्त्वपूर्ण सूचना :– निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) *विशेष साहित्यकार कबीर*

2) *विशेष साहित्यकार कवि तुलसीदास*

3) *विशेष साहित्यकार नाटककार सुरेद्रं वर्मा*

4) *विशेष साहित्यकार कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'*

---

1) **विशेष साहित्यकार :– कबीर**

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तक :– कबीर ग्रंथावली :– संपादक :– श्यामसुंदर दास

सूचनाएँ : 1) *सभी प्रश्न अनिवार्य है।*

2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।*

प्रश्न **1)** कबीर के काव्य में समन्वय के धरातल पर ''कबीर की भक्ति और प्रतिभा को निखार प्राप्त हुआ है''– स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कबीर के रहस्यवाद के स्वरूप को सोदाहरण समझाइए।

प्रश्न **2)** हिंदी की निर्गुण काव्यधारा का विकास किस प्रकार हुआ है?– विवेचन कीजिए।

अथवा

कबीर के जीवन का संक्षेप में परिचय देकर उनके व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 3) कबीर के काव्य में वर्णित माया तथा जगत सम्बंधी दार्शनिक भावों की मीमांसा कीजिए।

अथवा

''कबीर के काव्य में सतत् विद्रोह की गूँज विद्यमान रहती है'' – विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए:

क) कबीर ने निंदको के बारे में क्या कहा है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए;

ख) कबीर का भक्त कवियों मे स्थान निर्धारित कीजिए;

ग) कबीर काव्य में वर्णित विरहभावना पर प्रकाश डालिए;

घ) कबीर के धार्मिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:

क) ना गुरू मिल्या ने सिष भया लालच खेल्या डाव।
दून्यूं बूड़े धार मैं, चढ़ि पाथर की नांव।।

अथवा

सुखिया सब संसार है, खावै अरू सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरू रोवै।।

ख) मनिषा जनम दुर्लभ है, देह न बारंबार।
तरवर थैं फल झड़ि पड्या, बहुरि न लागै डार।।

अथवा

क्या घटि उपरि मंजन कीयै, भीतरी मैल अपारा।
रांमनांम बिन नरक न छुटै, जे धोवै सौ बारा।।
का नट भेष भगवां बस्तर, भसम लगावै लोई।
ज्यूं दादुर सुरसरि जल भीतरि, हरि बिन मुक्ति न होई।।

○○○

Total No. of Questions : 5]

P2505

[4702] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : (वैकल्पिक)

2) विशेष सहित्यकार :– तुलसीदास (नया पाठ्यक्रम)

(2013 Pattern) (Credit System)(Optional Paper - I)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तकें :– i) रामचरितमानस :– अयोध्याकांड

ii) विनयपत्रिका :– संपादक :– वियोगीहरि

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) तुलसीदास के दार्शनिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

तुलसीदास का जीवन परिचय देते हुए उनका हिंदीसाहित्य में स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न 2) विनयपत्रिका का हेतु स्पष्ट करते हुए उसकी भाषा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भक्तिकाव्य में विनयपत्रिका का स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न 3) तुलसीदास के काव्य में मर्यादावाद का महत्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विनयपत्रिका में व्यक्त तुलसीदास की भक्ति पद्धति की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) अयोध्याकांड के आधार पर सीता का चरित्रचित्रण कीजिए;

ख) अयोध्याकांड में वर्णित प्रकृति चित्रण पर प्रकाश डालिए;

ग) विनयपत्रिका की भाषाशैली की विशेषताएँ लिखिए;

घ) विनयपत्रिका के आधार पर तुलसीदास की दास्यभावना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) सबुप्रसंगु रघुपतिहिं सुनाई। बैठि मनहुँ तनु धरि निठुराई।।
मन मुसुकाई भानुकुल भानू। रामु सहज आनंद निधानू।।
बोले बचन विगत सब दूषन। मृदु मंजुल जनु बाग विभूषन।।
सुनु जननि सोई सुत बड़भागी। जो पितु मातु बचन अनुरागी।।
तनय मातु पितु तोषनिहारा। दुर्लभ जननि सकल संसारा।

अथवा

तनु धनु धामुधरनिपुर राजू। पतिविहिन सबु सोक समाजू।।
भोग रोग, सम भूषन भारू। जम जातना सरिस संसारू।।
प्राणनाथ तुम्ह बिनु जग मॉही। मो कहुँ सुखद कतहु कछु नॉही।।
जिय बिनु देह नदी बिनु वारी। तैसिअ नाथ पुरुष बिनु नारी।।
नाथ सकल सुख साथ तुम्हारे। सरद विमल विधु बदन निहारे।।

ख) राम राम राम जीह जौलों तू न जापि हैं।
तोलौ तूँ कहूँ ही जाय तिहूँ ताप तपिहै।।
सुरसरि तीर बिनु नीर दुख पाइहै।
सुर तरू तरे तोहि दारिद सताइहै।।
जागत बागत, सपने न सुख सोइहै।
जनम जनम जुग जुग जग रोइहै।।

अथवा

जाउँ कहॉ तजि चरन तुम्हारे।
काको नाम पतित पावन जग, केहि अति दीन पियारे।।
कौन देव बराइ विरद हित, हठि हठि अधम उधारे।।
खग, मृग, व्याघ पषान, विटप जड़, जवन कवन सुर तारे।।
तिनके हाथ दास तुलसी प्रभु, कहा अपनपौ हारे।।

❍❍❍

Total No. of Questions : 5]

P2505

[4702] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : (वैकल्पिक)

3) विशेष साहित्यकार :– नाटककार सुरेंद्रं वर्मा

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तकें :–
- *i) सेतुबंध*
- *ii) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक.*
- *iii) आठवाँ सर्ग*
- *iv) रति का कंगन।*

सूचनाएँ :
1) *सभी प्रश्न अनिवार्य है।*
2) *सभी प्रश्नों के समान अंक है।*

प्रश्न 1) पाश्चात्य दृष्टि से नाटक का स्वरूप एवं तत्त्वों का परिचय दीजिए।

अथवा

पठित नाटकों के आधार पर सुरेंद्र वर्मा की नाट्य–कला का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2) 'सेतुबंध' नाटक के प्रवरसेन का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से 'आठवाँ सर्ग' नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3) 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक नाटक में नाटककार ने स्त्री–पुरुष संबंधों को एक विशेष कोण से देखा है'–कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

'रति का कंगन' नाटक की प्रयोगधर्मिता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए:–

क) सुरेंद्र वर्मा के नाट्य–साहित्य का परिचय दीजिए।

ख) सेतुबंध नाटक के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

ग) 'आठवाँ सर्ग' नाटक की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

घ) 'सुर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक'–नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :–

क) ''अर्थात् सैकडो के लिए इकाई का उत्सर्ग, समष्टि के लिए व्यष्टि का बलिदान, मरूथल के लिए बालुकण का और समुद्र के लिए बूँद का त्याग --------''.

अथवा

''मेरे झुलसते मन–प्राण पर चंदन–गंध के समान छाता गया सब कुछ ------- यहाँ इच्छाओं का अंत था लेकिन साधनों का नहीं। यहाँ अभिलाषाओं की सीमा थी, पर संपत्ति की नहीं।''

ख) ''अगर शासन मेरी रचना पर यहाँ रोक लगायेगा, तो वह दूसरे राज्य में सप्तम सुर में सुनी जायेगी। मुझे बंदीगृह में डाल देगा, तो संकीर्णबुद्धि और कुटिल मन कहलाएगा ------ और अगर मेरी हत्या कर देगा, तो लोकमत उसके विरूद्ध आषाढ़ के पहले काले–कजरोर मेघों के समान भड़क उठेगा।''

अथवा

''जीवन में दु:ख आता है, तो यंत्रणा का अनुभव क्यों होता है? यंत्रणा अपने–आप में औषधि है। किसी के जीवन में यंत्रणा का आगमन नकारात्मक तत्त्व नहीं।''

○○○

Total No. of Questions : 5]

P2505

[4702] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : (वैकल्पिक)

4) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारीसिंह 'दिनकर'

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तकें :–
i) कुरूक्षेत्र
ii) उर्वशी
iii) हुंकार
iv) बापू।

सूचनाएँ : *1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।*
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) 'कुरूक्षेत्र' के अनुभूति पक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

खण्डकाव्य के तत्वों के आधारपर 'उर्वशी' की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 2) 'हुंकार' काव्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'बापू' काव्य की भावगत संवेदना स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) राष्ट्रीय काव्यधारा में दिनकरजी का स्थान और महत्व निरूपित कीजिए।

अथवा

दिनकर की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) 'कुरूक्षेत्र' के चतुर्थ सर्ग का आशय स्पष्ट कीजिए।

ख) 'उर्वशी' के प्रेमतत्व को स्पष्ट कीजिए।

ग) 'हुंकार' काव्य की शिर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

घ) 'बापू' कविता की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''महाभारत नहीं था द्वन्द्व केवल दो घरों का,
अनल का पुंज था इसमें भरा अगणित नरों का।
न केवल यह कुफल कुरूवंश के संघर्ष का था,
विकट विस्फोट यह सम्पूर्ण भारतवर्ष का था।''

अथवा

''और कभी यह भी सोचा है, जिस सुगन्ध से छक कर
बिकल वायु बह रही मत्त हो कर त्रिकाल–त्रिभुवन की,
उस दिगन्त–व्यापिनी गन्ध की अव्यय अमर शिखा को
मर्त्य प्राण की किस निकुंज–वीथी में बाँध धरेगा?''

ख) तू मौन त्याग, कर सिंहनाद,
रे तपी! आज तप का न काल,
नययुग–शंख–ध्वनि जगा रही,
तु जाग–जाग मेरे विशाल!

अथवा

तु सहज शान्ति का दूत, मनुज–
के सहज प्रेम का अधिकारी,।
दृग में उँड़ेल कर सहज शील
देखती तुझे दुनिया सारी।।

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2506

[Total No. of Pages : 2

[4702] - 2011

M. A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 5 : सामान्य स्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास बिहारी तथा भूषण)

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तकें :– 1) सूरदास : भ्रमरगीत सार संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल

2) बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथ 'रत्नाकर'

3) रीतिकाव्य धारा : संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी, डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्र.1) 'भ्रमरगीत एक उपालंभ काव्य है' –सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कला पक्ष की दृष्टि से सूरदास के भ्रमरगीत की समीक्षा कीजिए।

प्र.2) 'सतसई' परंपरा में बिहारी का स्थान निरूपित कीजिए।

अथवा

'बिहारी रीतिसिद्ध कवि हैं।' –सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्र.3) भूषण के काव्य में वीरत्व की अभिव्यक्ति सुंदर ढंग से हुई है– स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी काव्य में भूषण के योगदान पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्र.4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) सूर के उद्धव की विशेषताएँ बताईए।

ख) भूषण कालीन धार्मिक परिस्थिती का चित्रण कीजिए।

ग) बिहारी के नीतिविषयक विचार स्पष्ट कीजिए।

घ) भ्रमरगीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

प्र.5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) काहे को गोपीनाथ कहावत ?
जो पै मधुकर कहत हमारे गोकुल काहे न आवत ?
सपने की पहिचानि जानि कै हमहिं कलेक लगावत।
जो पै स्याम कूबरी रीझे सो किन नाम धरावत ?
ज्यों गजराज काज के औसर औरै दसन दिखावत।
कहन सुनन को हम हैं ऊधो सूर अनत[2] बिरमावत।।

ख) तो पर वारौं उरबसी, सुनि राधिके सुजान।
तु मोहन कैं उर बसी हैं उरबसी–समान।।

ग) ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहनवारी,
ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहाती हैं।
कंदमूल भोग करैं कंदमूल भोग करैं,
तीन बेर खाती ते वै तीन बेर खाती हैं।।
भूषन सिथिल अंग भूषन सिथिल अंग,
बिजन डुलाती ते वै बिजन डुलाती हैं।
'भूषन' भनत शिवराज बीर तेरे त्रास,
नगन जडाती ते वै नगन जड़ाती हैं।।

() () () ()

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2507

[Total No. of Pages : 2

[4702] - 2012

M.A. (Part - I) (Semester - II)

(HINDI) हिंदी

प्रश्नपत्र – 6 : विशेषस्तर

आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध

(Credit System) (2013 Pattern)

पाठ्यपुस्तकें : 1) नाटक 'अभंग–गाथा'.. नरेंद्र मोहन

2) निबंधमाला .. संपा. : डॉ. सुरेश बाबर

डॉ. नीला बोर्वणकर

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी रंगमंच के विकास में नरेंद्र मोहन का योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'नरेंद्र मोहन के नाटक व्यवस्था विरोधी नाटक हैं' कथन के परिप्रेक्ष्य में 'अभंग गाथा' की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 2) 'यदि गद्य कवियों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी है' – कथन के परिप्रेक्ष्य में पठित निबंधों की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'बुद्धिजीवी' निबंध की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3) 'तुकाराम का चरित्र आद्यंत संघर्षशील है' – अभंग गाथा के आधार पर कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

'पानी है अनमोल' निबंध की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) 'अभंग–गाथा' नाटक में देश , काल , वातावरण

ख) 'अभंग–गाथा' नाटक के संवाद

ग) 'मिले तो पछताए' में माँ का प्रेम

घ) 'कलाकार का सत्य' निबंध का उद्देश्य।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :–

क) ''हीनता को काटेंगे, उठेंगे। रात–दिन होगा हमें युद्ध का प्रसंग। एक दूसरे में एक बुनावट में बुने जाकर शायद हम पा ले जीने का अर्थ, ले सकें लोहा अनर्थ से। ''

अथवा

''चारों तरफ क्या तबाही का मंजर है। जिधर से आया हूँ उधर मार–काट, हिंसा, बरबादी और मौत का सन्नाटा है। इधर आया हूँ तो लगता है कोई जंगली जानवर सब कुछ रौंदकर चला गया हो।''

ख) ''साधारण नियम यहि है कि संस्कृति और सभ्यता की प्रगति अधिकतर एक साथ होती है और दोनों का एक–दूसरे पर प्रभाव भी पडता रहता है।''

अथवा

''उठा, पास जाकर मैंने देखा बुजुर्ग की उँगली की सीध में सूखे पेड के अंतराल में एक व्यंजित शिरा जैसी हरी हो आई थी, पन्ने की–सी हरी।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2508

[Total No. of Pages : 2

[4702] - 2013

M.A. (Part - I) (Semester - II)

(HINDI) हिंदी

प्रश्नपत्र - 7 : विशेष स्तर –पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :–1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुकरण सिद्धांत को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए अनुकरण विषयक प्लेटो और अरस्तू के विचारों का अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) उदात्त सिद्धांत के अंतरंग और बहिरंग तत्वों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या प्रस्तुत करते हुए संप्रेषण सिद्धांत का महत्व विशद कीजिए।

प्रश्न 3) इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी अवधारणा को विस्तार से लिखिए ।

अथवा

वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप एवं महत्व स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए:

अ) अस्तित्ववाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

ब) साहित्य के संदर्भ में उत्तर आधुनिकता का महत्व विशद कीजिए।

क) मनोवैज्ञानिक आलोचना प्रणाली का परिचय दीजिए।

ड) मार्क्सवादी आलोचना प्रणाली का महत्व स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:

अ) विरेचन सिद्धांत का महत्व।

ब) लोंजाइनस का योगदान।

क) पाश्चात्य साहित्यशास्त्र में इलियट का योगदान।

ड) सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना प्रणाली का महत्व।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2509

[Total No. of Pages : 8

[4702] - 2014

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक–विशेष विधा तथा अन्य

(2013 Pattern) (Optional Paper - I)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हिंदी उपन्यास

पाठ्यपुस्तकें : 1) चित्रलेखा : भगवतीचरण वर्मा

2) गोदान : प्रेमचंद

3) अलग–अलग वैतरणी : शिवप्रसाद सिंह

4) परिशिष्ट : गिरिराज किशोर

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'गोदान' उपन्यास में चित्रित समाजिक समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'चित्रलेखा' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 2) 'अलग–अलग वैतरणी' में भारतीय ग्रामीण जीवन का यथार्थ चित्रित है, कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'परिशिष्ट' उपन्यास के आधार पर अनुकूल और राम उजागर के चरित्र विकास की विशेषताएँ लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 3) प्रेमचंद युगीन हिंदी उपन्यासों के विकास पर प्रकाश डालते हुए, उसमें प्रेमचंदजी का योगदान विशद कीजिए।

अथवा

प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) 'गोदान' का शीर्षक

ख) 'चित्रलेखा' उपन्यास के संवाद

ग) 'अलग–अलग वैतरणी' के खलील मियाँ

घ) 'परिशिष्ट' उपन्यास का उद्देश।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :–

क) तो महतो मेरी भी सुन लो। जो बात तुम चाहते हो, वह न होगी। सौ जनम न होगी। झुनिया हमारी जान के साथ है। तुम बैल ही तो ले जाने को कहते हो, ले जाओ। मगर इससे तुम्हारी कटी हुई नाक जुड़ती है, तो जोड लो, पुरखों की आबरू बचती हो, तो बचा लो।

अथवा

''प्रेम का संबंध आत्मा से है, प्रकृति से नहीं। जिस वस्तु का प्रकृति से संबंध है, वह वासना है, क्योंकि वासना का संबंध बाह्य से है। वासना का लक्ष्य यह शरीर है, जिस पर प्रकृति ने कृपा करके उसको सुंदर बनाया है। प्रेम आत्मा से होता है, शरीर से नही।''

ख) ई खेती बारी में का धरा है। महावीर सामी की कसम, अब ई खेती डाँड हो गयी। हरिया भागा तो अच्छा ही हुआ। कही दो पैसा कमायेगा, तो आदमी बन जायेगा।

अथवा

बेटा तुम यहाँ से चलो। दुनिया में सब इंजीनियर ही नहीं होते। सबसे बड़ी बात रोटी की है। मेरी भूल थी कि रोटी की बात सोचते–सोचते आसमान के तारों की बात सोचने लगा।

Total No. of Questions : 5]

P2509

[4702] - 2014

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional)

(ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास

पाठ्यपुस्तकें : 1) मेरी जीवन यात्रा : भाग 2 राहुल सांकृत्यायन

2) एक बूँद सहसा उछली... अज्ञेय

3) चीड़ो पर चाँदनी... निर्मल वर्मा

4) सूर्य मंदिरों की खोज में... डॉ. श्याम सिंह शशि

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) यात्रा साहित्य की परिभाषाएँ देते हुए उसके तत्वों का विवेचन कीजिए।

अथवा

इक्किसवीं सदी के यात्रा साहित्य का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) 'राहुल सांकृत्यायन की 'मेरी जीवन – यात्रा' एक संवेदनशील कर्मप्राण महापुरूष के द्वारा लिखी पहली जन – कथा है, जो इतिहास से अधिक सत्य, उपन्यास से अधिक रोचक है'– कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

प्रश्न 3) डॉ.श्याम सिंह शशि न केवल घुमंतू लेखक हैं बल्कि यायावर शास्त्री भी हैं– 'सूर्यमंदिरों की खोज में' के आधार पर कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

प्रकृति चित्रण के आधार पर 'चीड़ों पर चाँदनी' यात्रा साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :–

क) स्वतंत्रता पूर्व का यात्रा साहित्य

ख) भारत के सूर्य मंदिर

ग) 'मेरी जीवन – यात्रा ' का उद्देश

घ) 'एक बूँद सहसा उछली' में लेखक का दृष्टिकोण

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :–

क) ''मैं खुद अवतारी लामा हूँ, लेकिन उसे बिल्कुल धोखा समझता हूँ। दलाईलामा को छोड मैं किसी को अवतारी नहीं मानता।''

अथवा

''इस तरह निन्यानब्बे प्रश्न हैं क्योंकि सौवें एक प्रश्न में से सभी समा जाते हैं और जो उस सौवें प्रश्न का निरूपण कर लेता है वह सब जिज्ञासाओं का उत्तर पा लेता है।''

ख) ''यह अजीब–सा यात्री कौन है, जिसकी पदचाप हमेशा पहाड़ो में सुनाई दे जाती है... चाँदनी... पहाड़ी हवा या मृत्यु?''

अथवा

'सांब की कठोर तपस्या से उसकी व्याधि दूर हो गई। वह चंद्रभागा नदी पर गया और ज्यों ही उसमें उसने डुबकी लगाई, उसका शरीर कुंदन की तरह सुंदर हो गया।'

Total No. of Questions : 5]

P2509

[4702] - 2014

M.A.(Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक : विशेष विधा तथा अन्य

(2013 Pattern)

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी भाषा के विविध रूपों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

अथवा

कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) कार्यालयीन लेखन के रूप में संक्षेपण और पल्लवन का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुवाद की परिभाषाएँ देते हुए उसका महत्त्व विशद कीजिए।

प्रश्न 3) समाचार लेखन के विविध प्रकारों का विवेचन कीजिए।

अथवा

कम्प्यूटर संरचना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) माध्यम भाषा के रूप में हिंदी का सामान्य परिचय दीजिए।

ख) काव्यानुवाद में आनेवाली किन्हीं पाँच समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

ग) प्रयुक्ति (रजिस्टर) की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

घ) मनोरंजन के लिए कम्प्यूटर की उपयोगिता विशद कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) सिनेमा लेखन

ख) विज्ञापन का महत्त्व

ग) टिप्पण लेखन

घ) सारानुवाद।

Total No. of Questions : 5]

P2509

[4702] - 2014
M.A. (Part - I) (Semester - II)
(HINDI) हिंदी

प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(2013 Pattern)

(घ) हिंदी दलित साहित्य

पाठ्यपुस्तकें : 1) जस तस भई सबेर – सत्यप्रकाश

2) जूठन – ओमप्रकाश वाल्मिकी

3) नई सदी की पहचान – श्रेष्ठ दलित कहानियाँ संपा. मुद्राराक्षस

4) गूँगा नहीं था मैं – जयप्रकाश कर्दम

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) दलित साहित्य की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

दलित साहित्य के सौंदर्य शास्त्र पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'जस तस भई सबेर' उपन्यास के प्रमुख पुरूष पात्रों का परिचय दीजिए।

अथवा

'गूँगा नहीं था मैं' में व्यक्त आत्मपीडा का चित्रण कीजिए।

प्रश्न 3) ओमप्रकाश वाल्मिकी की 'जूठन' के आधार पर दलित जीवन की असहनीयता और आक्रोश पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'और रास्ता खुल गया' कहानी के कथ्य और शिल्प को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) दलित साहित्य की विशेषताएँ

ख) 'जूठन' के शीर्षक की सार्थकता

ग) 'जस तस भई सबेर' उपन्यास के देवीपाल का चरित्र चित्रण

घ) 'जीवन साथी' कहानी की समस्या।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''महर्षि शम्बूक की योग्यता और दक्षता में क्या कमी थी? उनकी हत्या मात्र इसलिए कर दी गई थी क्योंकि वे दासों, दासियों, शोषितों, अछूतों और स्त्रियों की शिक्षा और अधिकार विहिनों को अधिकार देने की माँग करते थे।''

अथवा

''अबे चुहडे का, नए कपडे पहनकर आया है।'' मैले-पुराने कपडे पहनकर स्कूल जाओ तो कहते ''अबे चूहडे के, दूर हट, बदबू आ रही है।''

ख) ''जब जब भी इस शहर में दंगा होता तब – तब ही समूचा शहर कब्रिस्तान सरीखा बन जाता। पागल प्रेत और पिशाच्चों का नाच होने लगता है। अनगिनत दुर्घटनाओं की कहानियाँ खून से लिखी जाती है।''

अथवा

''उसकी,

भूखी, उदास आँखों ने

जिस ओर भी देखा है

हर चेहरे पर

काय और कुटिलता की

रेखा है।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2510

[Total No. of Pages : 3

[4702] - 3011

M.A. (Semester - III)

(HINDI) हिंदी

प्रश्नपत्र – 9 : सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य – 1

(महाकाव्य तथा खंडकाव्य)

पाठ्यपुस्तकें : 1) कामायनी : जयशंकर प्रसाद

2) गोपा–गौतम : डॉ.जगदीश गुप्त

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :–1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर कामायनी के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कामायनी की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2) 'मैंने यशोधरा (गोपा) की नई परिकल्पना की है जिसमें उसके माता – रूप की अपेक्षा नारी – रूप प्रधान है।''– प्रस्तुत कथन के आधार पर गोपा का चरित्र – चित्रण कीजिए।

अथवा

गोपा–गौतम के कला – पक्ष पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) कामायनी की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

अथवा

गोपा–गौतम के आधार पर गौतम के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) श्रद्धा का सौंदर्य

ख) कामायनी में प्रस्तुत समरसता सिद्धांत

ग) गोपा–गौतम की मिथकीय चेतना

घ) गोपा–गौतम में चित्रित परिणय प्रसंग।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :–

क) उधर गरजतीं सिंधु लहरियाँ कुटिल काल के जालों सी,
चली आ रहीं फेन उगलती फन फैलाए व्यालों–सी।
धँसती धरा, धधकती ज्वाला, ज्वाला–मुखियों के निश्वास
और संकुचित क्रमशः उसके अवयव का होता था ऱ्हास।।

अथवा

बिखरीं अलकें ज्यों तर्क जाल–
वह विश्व मुकुट सा उज्ज्वलतम शशिखंड सदृश था स्पष्ट भाल
दो पद्म–पलाश चषक–से दृग देते अनुराग विराग ढाल
गुंजित मधुप से मुकुल सदृश वह आनन जिसमें भरा गान
वक्षस्थल पर एकत्र धरे संसृति के सब विज्ञान ज्ञान।।

ख) करती हूँ एक बार आग्रह और
सच्चे क्षत्रिय की भाँति
चाहें तो शासन की बाग–डोर
अपने हाथ में लेकर
होकर संकल्प निष्ठ
जनता का त्राण करें।
सबका कल्याण करें।

अथवा

अब मैं परित्यक्ता, माता हूँ।

बुझा दीप, टूटा नाता हूँ।

मृत्यु मिले तो अंक लगा लूँ।

पर शिशु को किस कोने डालूँ।

मैं माता क्या बनी,

कोख में पाला दुख था।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2511

[Total No. of Pages : 2

[4702] - 3012

M.A. (Semester - III)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 10 : विशेष स्तर – भाषा विज्ञान

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भाषा की परिभाषा देकर उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ विशद कीजिए।

प्रश्न 2) स्वनविज्ञान की शाखाएँ कौन–कौन सी हैं? समझाइए।

अथवा

स्वन की परिभाषा देकर उसके वर्गीकरण को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) रूपविज्ञान की परिभाषा देकर उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रूपिम के भेदों का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) अर्थविज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

ख) शब्द और अर्थ के पारस्परिक संबंध पर प्रकाश डालिए।

ग) अर्थबोध के साधन कौन–कौन से हैं? समझाइए।

घ) अर्थ परिवर्तन के कारणों को विशद कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) भाषाविज्ञान का स्वरूप

ख) मानक हिंदी का भाषावैज्ञानिक विवरण

ग) व्यंजन वर्गीकरण

घ) वाक्य विश्लेषण।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2512

[Total No. of Pages : 2

[4702] - 3013
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 11 : विशेष स्तर
हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भाक्तिकाल, रीतिकाल तक)
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा और पद्धतियों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी के प्रमुख साहित्यिक केंद्र एवं संस्थाओं कें योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) आदिकाल के प्रारंभ कें संदर्भ में विविध आचार्यों की मान्यताओं को विशद कीजिए।

अथवा

''आदिकालीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक परिस्थितियों का तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव पड़ा है।''– समझाइए।

प्रश्न 3) सगुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भक्तिकालीन साहित्य की सामाजिक उपादेयता को विशद कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) रीतिकाल की धार्मिक परिस्थिति पर प्रकाश डालिए।

ख) '' रीतिकालीन साहित्य पर संस्कृत साहित्य का प्रभाव पडा है।'' – स्पष्ट कीजिए।

ग) रीतिसिद्ध काव्य की विषयगत प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

घ) रीतिकालीन कवि चिंतामणि के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) प्रमुख इतिहास ग्रंथ

ख) बीजवपन काल

ग) संत कवीर

घ) रीतिकालीन लोकजीवन।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2513

[Total No. of Pages : 4

[4702] - 3014
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 12 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :- 1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) आलोचना की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आलोचना और अनुसंधान के परस्पर संबंध को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी आलोचना में डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी के योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) 'डॉ. नंददुलारे वाजपेयी हिंदी के श्रेष्ठ आलोचक हैं।' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आलोचना के संबंध में डॉ. नगेंद्र की मान्यताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) डॉ. नामवर सिंह के किन्हीं दो आलोचना – ग्रंथों का परिचय दीजिए।

ख) समकालीन आलोचना की अवधारणा – 'विडंबना' को स्पष्ट कीजिए।

ग) डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

घ) समकालीन आलोचना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) आलोचना और साहित्य

ख) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी का आलोचना साहित्य

ग) आलोचक के गुण

घ) आलोचक रामविलास शर्मा।

❀ ❀ ❀

P.T.O.

Total No. of Questions : 5]

P2513

[4702] - 3014
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 12 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
(आ) अनुवाद विज्ञान
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अनुवाद की परिभाषा देकर उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुवाद प्रक्रिया के अंतर्गत मूलभाषा का पाठबोधन और व्याख्या किस प्रकार की जाती है?– समझाइए।

प्रश्न 2) अनुवाद के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

अथवा

अनुवाद करते समय भाषा विज्ञान के अंगों का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वाणिज्य और व्यापार क्षेत्र की सामग्री के अनुवाद की समस्याएँ विशद कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) कंप्युटर अनुवाद की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।

ख) अनुवाद समीक्षा के निकष कौन – से हैं?

ग) मुहावरों के अनुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

घ) कंप्युटर अनुवाद की सीमाएँ कौन – सी हैं?

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) अनुवाद – कला या विज्ञान?

ख) गद्यानुवाद

ग) वैज्ञानिक सामग्री के अनुवाद की समस्याएँ

घ) अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता।

Total No. of Questions : 5]

P2513

[4702] - 3014
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 12 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :- 1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) जनसंचार माध्यम के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए उसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विकासमूलक तथा लोकतांत्रिक संचार का महत्व स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) 'जनसंचार माध्यमों में साहित्य की आवश्यकता होती है।' समझाइए।

अथवा

हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्रिंट पत्रकारिता के विविध आयामों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) मल्टीमीडिया और इंटरनेट पत्रकारिता किसे कहते हैं?

ख) हिंदी पत्रकारिता के विकास में लघु पत्रिकाओं की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

ग) भारतीय संविधान में प्रदत्त मानवाधिकार को समझाइए।

घ) पत्रकारिता में साहित्य के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) कृषि केंद्रित कार्यक्रम

ख) सरस्वती पत्रिका

ग) रिपोर्ताज

घ) महिला स्तंभ।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2514

[Total No. of Pages : 2

[4702] - 4011
M.A. (Part - II) (Semester - IV)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 13 : सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य – 2
(विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)
(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तके : i) विशेष कवि कुँवर नारायण
संपा. डॉ. सुरेश बाबर डॉ. नीला बोर्वणकर
ii) नई कविता
संपा. डॉ. सुरेश बाबर डॉ. अलका पोतदार

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :- 1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) कवि कुँवर नारायण की कविताओं का भाव – पक्ष स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कवि कुँवर नारायण के काव्य की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'लीलाधर जगूडी की कविता समकालीन सरोकारों से जुड़ी हुई कविता हैं – स्पष्ट कीजिए।

अथवा

उदयप्रकाश की कविताओं में व्यक्त मानवीय संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) कुँवर नारायण के काव्य की वैचारिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'दामोदर मोरे की कविताओं में भोगे हुए दु:खों, पीड़ाओं, यातनाओं और कटुताओं का जिक्र किया हैं'। – स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:

क) कूँवर नारायण कृत 'महाभारत' कविता की संवेदना

ख) कुँवर नारायण के काव्य में मिथक योजना

ग) कात्यायनी के काव्य की भाषा

घ) दामोदर मोरे कृत 'सावित्री से ..... सावित्री तक' का कथ्य

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:

क) अयोध्या इस समय तुम्हारी अयोध्या नहीं
योद्धाओं की लंका है.
'मानस तुम्हारा' 'चरित नहीं'
चुनाव का डंका है!

अथवा

लेकिन परेशान हैं इन दिनों
काले की जगह
सफेद नामक झूठ ने ले ली हैं
और दोनों ने मिलकर
एक बहुत बड़ी दूकान खोल ली हैं!

ख) खुदाइयों के बाद
घरों का इतिहास तो निकल आता हैं
पर टूटे हुए दिलों
और खोए हुए रास्तों का नहीं।
इसलिए मेरे बच्चो
राहें भटकनी नहीं चाहिए भरसक
न ही दिल टूटने चाहिए
हमेशा के लिए।

अथवा

तुने दिया जनम
महँगाई जैसी कुकन्या को
भ्रष्टाचार जैसे कुपुत्र को
तुने पालापोसा
छुआछूत जैसी नागिन को
जातिवाद जैसे शैतानों को
धर्मांधता जैसी चुडैलों को।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2515

[Total No. of Pages : 2

[4702] - 4012
M.A. (Part - II) (Semester - IV)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 14 : विशेष स्तर
हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) मध्यकालीन आर्यभाषाओं की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) पूर्वी हिंदी व पश्चिमी हिंदी का संक्षेप में परिचय देकर दोनों की तुलना कीजिए।

अथवा

हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) लिपि के उद्‌भव और विकास को विशद कीजिए।

अथवा

राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) अपभ्रंश का सामान्य परिचय दीजिए।

ख) हार्नली के वर्गीकरण का विवेचन कीजिए।

ग) हिंदी की लिंग व्यवस्था विशद कीजिए।

घ) हिंदी के शब्द निर्माण में उपसर्ग के महत्व को समझाइए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) लौकिक संस्कृत,

ख) खड़ीबोली,

ग) प्रत्यय,

घ) राष्ट्रभाषा के संदर्भ में गांधीजी का योगदान।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2516

[Total No. of Pages : 2

[4702] - 4013
M.A. (Part - II) (Semester - IV)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 15 : विशेष स्तर
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :- 1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) हिंदी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी निबंध साहित्य के विकास में आ – हजारी प्रसाद द्विवेदी के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) भारतेंदुयुगीन काव्य–धारा की सामान्य प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के विकास का परिचय देते हुए कवि माखनलाल चतुर्वेदी का योगदान स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) हिंदी नाटक एवं रंगमंच के उद्‌भव एवं विकास का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी प्रयोग वादी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) उपन्यासकार यशपाल का परिचय दीजिए।

ख) कहानीकार उदयप्रकाश के कहानी साहित्य पर प्रकाश डालिए।

ग) द्विवेदी युगीन हिंदी काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

घ) प्रगतिवादी कवि नागार्जुन की काव्य यात्रा पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) कहानीकार – प्रेमचंद।

ख) हिंदी का रेखाचित्र साहित्य।

ग) कवि – भारतेंदु हरिश्चंद्र।

घ) समकालीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2517

[Total No. of Pages : 4

[4702] - 4014
M.A. (Part - II) (Semester - IV)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
(क) भारतीय साहित्य
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति हुई हैं' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भारतीय साहित्य में भारतीय समाज का अंकन किस प्रकार हुआ है?

प्रश्न 2) 'बारोमास' में व्यक्त भारतीयता के पक्ष – विपक्ष में चर्चा कीजिए।

अथवा

'बारोमास' में व्यक्त ग्रामीण जीवन की समस्याओं का विवेचना कीजिए।

प्रश्न 3) 'नागमंडल' की कथावस्तु को संक्षेप में लिखते हुए उसके उद्देश्य को समझाइए।

अथवा

'गिरीश कर्नाड वर्तमान समय के एक प्रयोगशील नाटककार हैं'। 'नागमंडल' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) 'खानाबदोश' आत्मकथा की कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताओं को लिखिए।

अथवा

'खानाबदोश' में व्यक्त भारतीय जीवन का सोदाहरण परिचय दीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) भारतीय साहित्य का स्वरूप,

ख) 'बारोमास' का नायक

ग) 'नागमंडल' में मंच योजना,

घ) 'खानाबदोश' का शीर्षक।

Total No. of Questions : 5]

P2517

[4702] - 4014
M.A. (Part - II) (Semester - IV)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
(ख) लोकसाहित्य
(Credit System) (2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :- 1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) 'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति और स्वरूप को स्पष्ट करते हुए लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य के साम्य – भेद को विशद कीजिए।

अथवा

लोकसाहित्य का इतिहास पुरातत्त्व तथा धर्मशास्त्र के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) लोक–गीत की परिभाषा देते हुए लोकगीत के वर्गीकरण की पध्दतियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

लोकगाथा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उत्पत्तिविषयक सिध्दांत का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) लोक – नाट्य की परिभाषा देते हुए रामलीला लोकनाट्य का परिचय दीजिए।

अथवा

लोककथा की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) लोकसाहित्य के कलापक्ष की दृष्टि से भाषा अलंकार योजना और छंद विधान का विवेचन कीजिए।

अथवा

मुहावरों तथा सूक्तियों का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उनके साहित्यिक महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) लोकसाहित्य का महत्व,

ख) सावनगीत,

ग) तमाशा,

घ) लोकसाहित्य की रसव्यंजना।

Total No. of Questions : 5]

P2517

[4702] - 4014
M.A. (Part - II) (Semester - IV)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
(ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र
(Credit System) (2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :- 1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) अनुसंधान की परिभाषा देकर उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता आवश्यक हैं स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) अनुसंधान और आलोचना के पारस्परिक संबंध बताते हुए उसके साम्य – वैषम्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

साहित्यिक अनुसंधान के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) अनुसंधान की प्रक्रिया के अंतर्गत किन मुद्दों का समावेश होता हैं? सोदाहरण समझाइए।

अथवा

भाषा और साहित्य के अध्यापन के सूत्र स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) शोध प्रबंध लेखन प्रणाली के अंतर्गत किन मुद्दों पर विचार किया जाता है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुसंधान के विविध घटकों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) अनुसंधान के उद्देश्य,

ख) अनुसंधान के मूलतत्व,

ग) शोधनिर्देशक के गुण,

घ) पाठालोचन।